पैंसठ स्थानों पर बोरी बंधान

सीधी जिले में 65 स्थानों पर जल संरक्षण पर कार्य करते हुए लगभग 650 एकड़ जमीन की सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था हो गयी है। जिससे लगभग 285 छोटे-बड़े किसान लाभान्वित होंगे। जल संरचनाओं के निर्माण में लगभग दो लाख सोलह हजार रुपये जन सहयोग से एकत्र कर व्यय किए गए। विकास के यह कार्य स्वैच्छिक सहयोग से किये गये।यह कार्य ग्रामीणों को जल के महत्व के बारे में जन अभियान परिषद् की प्रस्फुटन समितियों द्वारा लगातार दी जा रही जानकारी व ग्राम विकास यात्रा के दौरान प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक व गीत की प्रेरणा से सम्पन्न हुआ।

जनमानस के बीच दिए गए संदेश का यदि माध्यम उचित हो,प्रभावी हो तो परिणाम अभूतपूर्व निकल सकते हैं। प्रेरणा का कुछ ऐसा ही असर देखने को मिला सीधी जिले के गाँवों में। विगत जून माह में म.प्र. जन अभियान परिषद् द्वारा ग्राम विकास यात्रा निकाली गई थी। इस यात्रा द्वारा दिए गए संदेश से प्रेरित होकर जिले के कई गाँवों में स्वैच्छिक कार्य हुए। विशेषकर जल संरक्षण का संदेश लोगों को खूब भाया। इससे प्रेरित होकर सीधी जिले की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों ने जिले के विभिन्न ग्रामों में पैंसठ स्थानों पर बोरी बंधान बनाए। यह कार्य प्रस्फुटन समितियों ने ग्रामीणों की सहायता से किए।

सीधी जिले में अधिकतर लोगों की आय कृषि पर निर्भर है।

कृषि के लिए पानी की आवश्यकता को देखते हुए बहते वर्षा जल को प्रस्फुटन समितियों द्वारा अपने स्तर पर रोका गया। कुछ समितियों ने नदी-नालों पर बोरियों में रेत भरकर बंधान किया तो कुछ समितियों ने मिट्टी डालकर बंधान बनाये। इस तरह सम्पूर्ण जिले में 65 स्थानों पर जल संरक्षण पर कार्य करते हुए लगभग 650 एकड़ जमीन की सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था हो गयी है। जिससे लगभग 285 छोटे-बड़े किसान लाभान्वित होंगे। जल संरचनाओं के निर्माण में लगभग दो लाख सोलह हजार रुपये जन सहयोग से एकत्र कर व्यय किए गए। विकास के यह कार्य स्वैच्छिक भाव से किये गये।

यह कार्य ग्रामीणों को जल के महत्व के बारे में जन अभियान परिषद् की प्रस्फुटन समितियों द्वारा लगातार दी जा रही जानकारी व ग्राम विकास यात्रा के दौरान प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक व गीत की प्रेरणा से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में दिये गये संदेश से प्रेरित होकर इतनी बड़ी संख्या में जल संरक्षण पर कार्य करने के लिए लोग सहभागी हुए।

राकेश गुप्ता

जिला समन्वयक, सीधी म.प्र. ज.अ.प.